Series : SKS/1

कोड नं.
Code No. **29/1/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घंटे] *[अधिकतम अंक : 100*
Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

हिंदी या उर्दू साहित्य में थोड़ी-सी रुचि रखने वाला भी मुंशी प्रेमचंद को न जाने – ऐसा हो ही नहीं सकता, यह मेरा दृढ़ विश्वास है । सफलता के उच्च शिखरों को छूने के बावजूद प्रेमचंद बस प्रेमचंद थे । उनके स्वभाव में दिखावा या अहंकार ढूँढ़ने वालों को निराश ही होना पड़ेगा । प्रेमचंद का जीवन अनुशासित था । मुँह-अँधेरे उठ जाना उनकी आदत थी । करीब एक घंटे की सैर के बाद (जो प्राय: स्कूल परिसर में ही वे लगा लिया करते थे) वे अपने ज़रूरी काम सुबह-सवेरे ही निपटा लेते थे । अपने अधिकांश काम वे स्वयं करते । उनका मानना था कि जिस आदमी की हथेली पर काम करने के छाले-गट्टे न हों उसे भोजन का अधिकार कैसे मिल सकता है ? प्रेमचंद कर्मठता के प्रतीक थे । घर में झाड़ू-बुहारी कर देना, पत्नी बीमार हों तो चूल्हा जला देना, बच्चों को दूध पिलाकर तैयार कर देना, अपने कपड़े स्वयं धोना आदि काम करने में भला कैसी शर्म ! लिखने के लिए उन्हें प्रात:काल प्रिय

था, पर दिन में भी जब अवसर मिले उन्हें मेज़ पर देखा जा सकता था । वे वक्त के बड़े पाबंद थे । वे समय पर स्कूल पहुँचकर बच्चों के सामने अपना आदर्श रखना चाहते थे । समय की बरबादी को वे सबसे बड़ा गुनाह मानते थे । उनका विचार था कि वक्त की पाबंदी न करने वाला इंसान तरक्की नहीं कर सकता और ऐसे इंसानों की कौम भी पिछड़ी रह जाती है । 'कौम' से उनका आशय समाज और देश से था । इतने बड़े लेखक होने के बावजूद घमंड उन्हें छू तक नहीं गया था । उन्होंने अपना सारा जीवन कठिनाइयों से जूझते हुए बिताया ।

(क) प्रेमचंद कौन थे ? लेखक का प्रेमचंद के बारे में क्या दृढ़ विश्वास है ? 2

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए – प्रेमचंद बस प्रेमचंद थे । 2

(ग) प्रेमचंद की प्रात:कालीन दिनचर्या क्या थी ? 1

(घ) प्रेमचंद के मत में भोजन का अधिकार किसे नहीं है ? क्यों ? 2

(ङ) कैसे कह सकते हैं कि प्रेमचंद कर्मठता के प्रतीक थे ? 2

(च) समयपालन के बारे में प्रेमचंद की मान्यताओं पर टिप्पणी कीजिए । 2

(छ) उक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

(ज) वाक्य प्रयोग कीजिए – मुँह-अँधेरे 1

(झ) संयुक्त वाक्य में बदलिए – उन्होंने अपना सारा जीवन कठिनाइयों से जूझते हुए बिताया । 1

(ञ) प्रत्यय अलग कीजिए – पाबंदी, कर्मठता 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

चले चलो, बढ़े चलो, बढ़े चलो, चले चलो !
प्रचंड सूर्य-ताप से, न तुम जलो, न तुम गलो !
हृदय से तुम निकाल दो अगर हो पस्तहिम्मती,
नहीं है खेल मात्र ये, ये जिंदगी है जिंदगी ।
न रक्त है, न स्वेद है, न हर्ष है, न खेद है,
ये जिंदगी अभेद है, यही तो एक भेद है ।
समझ के सब चले चलो, कदम-कदम बढ़े चलो !
पहाड़ से चली नदी, रुकी नहीं कहीं जरा,
गई जिधर, उधर किया जमीन को हरा-भरा ।
चली समान रूप से, जमीन का न ख्याल कर,
मगन रही निनाद में, जमीन पर, पहाड़ पर ।
उसी तरह चले चलो, उसी तरह बढ़े चलो !
अखंड दीप-से जलो, सदा बहार-से खिलो !

(क) कविता किसे संबोधित है ? ऐसा आप किस आधार पर मानते हैं ?

(ख) 'पस्तहिम्मती' किसे कहते हैं ? उन्हें क्या ध्यान में रखने को कहा गया है ?

(ग) प्रगतिशील की तुलना नदी से क्यों की गई है ?

(घ) 'अखंड दीपक' और 'फूल' का उल्लेख क्यों हुआ है ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

'ये जिंदगी अभेद है, यही तो एक भेद है ।'

अथवा

मातृभूमि के पहरेदारो, हिमवानो, तुम जागो तो !
आसमान को छूने वाले पाषाणो, तुम जागो तो !

तुम जागो तो, नव भारत के जन-जन का जीवन जग जाए,
तुम जागो तो, जन्मभूमि की माटी का कण-कण जग जाए ।
तुम जागो तो, जग का आंगन दीपों से जगमग हो जाए,
बैरी के पैरों के नीचे से धरती डगमग हो जाए ।

युग-तरुणाई ले अंगड़ाई, तूफानो, तुम जागो तो !
मातृभूमि के पहरेदारो, हिमवानो, तुम जागो तो !

खेत-खेत में सोना बरसे, आंगन-आंगन में मोती,
शिखर-शिखर पर नई किरण की आज सरस वर्षा होती ।
नव उमंग जागे प्राणों में, स्वर नवीन हुंकार उठे,
जन-भारत वनराज जागकर आज विमुक्त दहाड़ उठे ।

कर जागे, करवाल जगे, ओ दीवानो, तुम जागो तो !
मातृभूमि के पहरेदारो, हिमवानो, तुम जागो तो !

(क) 'मातृभूमि के पहरेदारो' से कवि किन्हें संबोधित कर रहा है ? उन्हें क्यों जगाया जा रहा है ?

(ख) जब देश के प्रहरियों की चर्चा होती है तो 'हिमवान' का उल्लेख अवश्य होता है, ऐसा क्यों ?

(ग) युवाशक्ति जागृत हो जाए तो देश को क्या-क्या लाभ होगा ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

खेत-खेत में सोना बरसे, आँगन-आँगन में मोती,
शिखर-शिखर पर नई किरण की आज सरस वर्षा होती ।

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए : 10

(क) भ्रष्टाचार की समस्या

(ख) वह घटना जिसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी

(ग) शिक्षा का अधिकार

(घ) हम और हमारा देश

4. कुछ लोगों का विचार है कि सचिन तेंदुलकर को टैस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेना चाहिए । आपकी इस विषय में क्या राय है, किसी प्रतिष्ठित समाचारपत्र के संपादक को पत्र लिखकर व्यक्त कीजिए । 5

अथवा

पेट्रोल के मूल्यों में हो रही वृद्धि के बावजूद कारों की संख्या बढ़ती ही जा रही है । इस स्थिति का कारण स्पष्ट करते हुए राज्य के परिवहन मंत्री को एक पत्र लिखिए ।

5. मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ? इसकी विशेषताएँ स्पष्ट करते हुए बताइए कि वह इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की अपेक्षा कम लोकप्रिय क्यों है ? 5

अथवा

समाचार लेखन के छह ककारों को सोदाहरण समझाइए ।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

(क) स्टिंग ऑपरेशन क्या है ?

(ख) संपादकीय किसे कहते हैं ?

(ग) खोजी पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(घ) समाचार लेखन की पिरामिड शैली को संक्षेप में समझाइए ।

(ङ) टी.वी. की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8

सियरि अगिनि बिरहिनि हिय जारा । सुलगि सुलगि दगधै भै छारा ।।
यह दुख दगध न जानै कंतू । जोबन जरम करै भसमंतू ।।
पिय सौं कहेहु सँदेसड़ा ऐ भँवरा ऐ काग ।
सो धनि बिरहें जरि मुई, तेहिक धुआँ हम लाग ।।

अथवा

दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

8. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3 + 3 = 6

(क) 'कार्नेलिया के गीत' के आधार पर भारत की विशेषताओं का अपनी भाषा में चित्रण कीजिए ।

(ख) क्षण के महत्त्व को उजागर करते हुए 'मैंने देखा एक बूँद' कविता का मूल भाव लिखिए ।

(ग) रामचंद्रिका से संकलित 'अंगद' शीर्षक सवैया में अंगद ने राम और रावण के प्रभाव-पराक्रम के जिन अंतरों का उल्लेख किया है, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए ।

9. किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : 3 + 3 = 6

(क) ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े-बड़े पियराए पत्ते
कोई छह बजे सुबह जैसे गरम पानी से नहाई हो –
खिली हुई हवा आई, फिरकी-सी आई, चली गई ।

(ख) छल-छल थे संध्या के श्रमकण,
आँसू-से गिरते थे प्रतिक्षण ।
मेरी यात्रा पर लेती थी –
नीरवता अनंत अँगड़ाई ।

(ग) कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,
मूँदि रहरु दु नयान ।
कोकिल-कलरव, मधुकर-धुनि सुनि,
कर देइ झाँपइ कान ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

मैं तो केवल निमित्तमात्र था । अरुण के पीछे सूर्य था। मैंने पुत्र को जन्म दिया, उसका लालन-पालन किया, बड़ा हो जाने पर उसके रहने के लिए विशाल भवन बनवा दिया, उसमें उसका गृह-प्रवेश करा दिया, उसके संरक्षण एवं परिवर्धन के लिए एक सुयोग्य अभिभावक डॉ. सतीश चंद्र काला को नियुक्त कर दिया और फिर मैंने संन्यास ले लिया ।

अथवा

साहित्य का पांचजन्य समरभूमि में उदासीनता का राग नहीं सुनाता । वह मनुष्य को भाग्य के आसरे बैठने और पिंजड़े में पंख फड़फड़ाने की प्रेरणा नहीं देता । इस तरह की प्रेरणा देने वालों के वह पंख कतर देता है । वह कायरों और पराभव प्रेमियों को ललकारता हुआ एक बार उन्हें भी समरभूमि में उतरने के लिए बुलावा देता है ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : **4 + 4 = 8**

(क) 'दूसरा देवदास' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

(ख) हज़ारीप्रसाद द्विवेदी जी के निबंध के आधार पर 'कुटज' के स्वभाव की चार विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) निर्मल वर्मा ने अपने आलेख में 'स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी' किसे माना है ? क्यों ?

12. 'घनानंद' अथवा 'अज्ञेय' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । 6

अथवा

फणीश्वरनाथ रेणु अथवा भीष्म साहनी के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा शैली की दो विशेषताएँ सोदाहरण समझाइए ।

13. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 + 2 = 4**

(क) 'आरोहण' कहानी के आधार पर भूपदादा के व्यक्तित्व की उन दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनसे आप प्रभावित हुए हों ।

(ख) भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी क्यों जलाई ? दो कारणों का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' लेखक के मन में क्यों बस गई है ? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए ।

14. 'अपना मालवा' पाठ में लेखक ने कहा है – 'हमारी आज की सभ्यता नदियों के शुद्ध जल को गंदे पानी के नाले बना रही है ।' इस पर चिंतन करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) ऐसा क्यों हो रहा है कि हमारे देश की पवित्र नदियाँ गंदे नालों में बदल रही हैं ? इसके कारणों की समीक्षा कीजिए । **2**

(ख) एक जागरूक नवयुवक होने के नाते आप अपने स्तर पर नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए क्या-क्या कदम उठाना चाहेंगे ? **3**

15. 'पहाड़ों में मानव जीवन पहाड़ जैसा ही कठिन और दुर्गम है, किंतु पहाड़ी लोग उससे हार नहीं मानते ।' 'आरोहण' कहानी के आधार पर इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए । **6**

अथवा

'सूरदास की झोंपड़ी' कहानी के आधार पर सूरदास के व्यक्तित्व की तीन विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।